नवभारत

अफसरों के आंदोलन से दिक्कतें

एमटीएनएल सेंटर्स में बजती रही घंटी

नवभारत संवाददाता : नई दिल्ली

एमटीएनएल अफसरों के असहयोग आंदोलन के चलते कस्टमर्स मंगलवार को भी परेशान रहे। हालांकि, शाम होते-होते परेशानी का कुछ हल जरूर हुआ, लेकिन यह नाकाफी था। उधर, एमटीएनएल मैनेजमेंट ने भरोसा जताया है कि एक-दो दिन में कोई न कोई बीच का रास्ता जरूर निकल आएगा।

जॉइंट फोरम ऑफ एमटीएनएल एग्जिक्यूटिव असोसिएशन के महासचिव वी. के. तोमर ने कहा कि वह नहीं चाहते हैं कि कस्टमर्स को बेवजह परेशानियों का सामना करना पड़े। लेकिन जब एमटीएनएल मैनेजमेंट उनकी जायज मांगों को मानने के लिए तैयार ही नहीं है, तो उन्हें मजबूर होकर यह कदम उठाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि अधिकारी काम पर तो आ रहे हैं, लेकिन वह काम के समय के बाद और नाइट में काम नहीं कर रहे हैं। इससे होने वाले फाल्ट टाइम से दूर नहीं हो पा रहे हैं। तोमर ने कहा कि उनकी मांगों को नहीं माना गया तो यह आंदोलन और गति से चलेगा। इस असहयोग आंदोलन के दूसरे दिन का कुछ असर प्राइवेट ऑपरेटर्स के कस्टमर्स पर भी पड़ा। निगम के कॉल सेंटरों में मंगलवार को देरी कॉल्स आईं, जिनमें उनके मोबाइल फोन और लैंड लाइन फोन की सेवाओं के प्रभावित होने की शिकायत की गई। ब्रॉडबैंड सेवाएं भी ठीक से काम नहीं कर रही थीं। निगम सूत्रों का कहना है कि सोमवार को आंदोलनकारियों के खिलाफ दो एफआईआर भी दर्ज कराई गई हैं, क्योंकि कुछ जगहों पर 6-7 केबल काट दी गई थीं। आंदोलनकारी सिस्टम में छेड़खानी कर कस्टमर्स को परेशान कर रहे हैं।

एमटीएनएल के सीएमडी आर. एस. चौ. सिन्हा का कहना है कि सोमवार को कटी केबलों को सही करा दिया गया है, लेकिन इसके बावजूद कुछ जगहों पर दिक्कतें आ रही हैं। हालांकि, शाम होते-होते कस्टमर्स को काफी हद तक राहत देने की कोशिशें की गईं। उन्होंने कहा कि आंदोलनकारियों से बात की जा रही है और एक-दो दिन में बीच का रास्ता निकाल लिया जाएगा। उधर, एमटीएनएल स्टाफ यूनियन के महासचिव भी. सरन सिंह ने निगम के एग्जेक्युटिव से अपील की है कि वह कंपनियों से कॉम्पिटिशन को देखते हुए नेटवर्क से छेड़खाड़ न करें।

फोन ठप रहे, सेंटरों की घंटी बजती रही

एमटीएनएल अफसरों के असहयोग आंदोलन की वजह से कस्टमर्स मंगलवार को भी परेशान रहे। मोबाइल फोन, लैंडलाइन और ब्रॉडबैंड सर्विसेज लगभग ठप रहीं। हालांकि, शाम होते-होते परेशानी का कुछ हल जरूर हुआ, लेकिन यह नाकाफी था। एमटीएनएल मैनेजमेंट ने भरोसा जताया है कि एक-दो दिन में रास्ता निकल आएगा। निगम के कॉल सेंटरों में मंगलवार को देरी शिकायती कॉल्स आईं। निगम सूत्रों का कहना है कि इस मामले में सोमवार को आंदोलनकारियों के खिलाफ दो एफआईआर भी दर्ज कराई गई हैं, क्योंकि कुछ जगहों पर जानबूझकर 6-7 केबल्स काट दी गई थीं।

>> पेज 3

नवभारत

बाधित रही एमटीएनएल सेवा

- नेटवर्क की खराबी के साथ कर्मचारियों की हड़ताल ने खूब छकाया उपभोक्ताओं को

पश्चिमी दिल्ली, जागरण संवाददाता : महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड की सेवाएं दूसरे दिन भी ठप रहीं। इसके चलते जहां एमटीएनएल उपभोक्ता किसी से संपर्क नहीं कर सके, वहीं इंटरनेट नहीं चलने से अधिकतर कार्यालयों व बैंकों में कामकाज प्रभावित रहा।

गौरतलब है कि एमटीएनएल के बी ग्रेड अधिकारियों के हड़ताल पर जाने से इसके उपभोक्ता दूसरे दिन भी परेशान रहे। जबकि हड़ताल के बारे में एमटीएनएल बी ग्रेड कर्मचारियों का कहना है कि हम असहयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह हड़ताल नहीं है क्योंकि हमारी शिकायत कंपनी से है उपभोक्ताओं से नहीं। हालांकि सच्चाई यही है कि इसका खामियाजा सीधे तौर पर उपभोक्ताओं को भुगतना पड़ रहा है। ज्ञात हो कि अधिकारियों की नाराजगी छठे वेतनमान में विसंगतियों को लेकर है। उन्होंने आरोप लगाया कि एमटीएनएल के प्रबंधन ने नवरत्न कंपनी होने के बावजूद सरकार द्वारा निर्धारित नए वेतनमान के 30 प्रतिशत फिटमेंट की बजाय 5 प्रतिशत फिटमेंट व मकान किराया भत्ता दिसंबर 2006 के देय पर निर्धारित करने का प्रस्ताव टेलीफोन विभाग में भेजा है। जिससे मई माह का वेतन उन्हें 8 से 15 हजार रुपये कम मिलेंगे। इस संबंध में मंगलवार को हड़तालीं कर्मचारियों की बैठक एमटीएनएल प्रबंधन के साथ हुई लेकिन नतीजा शून्य रहा। टेली एग्जीक्युटिव एसोसिएशन के महासचिव एके कौशिक ने कहा कि जब तक हमारी मांग नहीं मानी जाएगी, हम काम पर नहीं लौटेंगे।

दैनिकजागरण